आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रति जागरुकता बढ़ना जरूरी

यूटीयू में कार्यशाला में वक्ताओं ने दी जानकारी

देहरादून, 21 अप्रैल (नवोदय टाइम्स) : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय में प्राणिक हीलिंग, रोग परीक्षण, पंचकर्म एवं आहार चिकित्सा पर आधारित कार्यशाला में वक्ताओं ने आयुर्वेद के प्रति जागरुकता बढ़ाने पर जोर दिया।

कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, पूर्व कुलपति उत्तराखंड आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय प्रो. सुनील जोशी और डॉ. गीता खन्ना अध्यक्ष, बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने किया। प्रो. बिष्णु मोहन दास ने कहा कि योग को ज्यादा से ज्यादा अपनाया जाना चाहिए। डॉ. उर्मिला पांडे ने बताया कि कॉस्मिक हीलिंग वह तकनीक है जिसमें कॉस्मिक एनर्जी के द्वारा रोगों का रोकथाम समय से जानकारी हो जाने पर किया जा सकता है । कार्यशाला को डॉ. नम्रता भट्ट, चिकित्सा अधिकारी, आयुष विभाग, अल्मोड़ा द्वारा व्याख्यान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र लिया जाएगा। आयोजन सचिव प्रो. मनोज कुमार पांडा, सह-संयोजक मानसी वीरमानी एवं कोनिका मुखर्जी रहीं। संकाय सदस्य केसी मिश्रा, अंशु सिंह, डॉ. आशीष नौटियाल, डॉ. सुरभि भट्ट, लोचन भट्ट आदि ने भी चर्चा में हिस्सा लिया।